भारत सरकार

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 4552

20.08.2025 को उत्तर देने के लिए

बिहार में प्रति व्यक्ति आय

4552. श्री दिनेश चंद्र यादवः

श्री गिरिधारी यादवः

क्या सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या देश में प्रति व्यक्ति आय विश्व के अन्य विकासशील देशों की तुलना में बहुत कम है;
(ख) क्या बिहार में प्रति व्यक्ति आय अन्य राज्यों की तुलना में बहुत कम अर्थात् निम्नतम स्तर पर है; और
(ग) यदि हाँ, तो सरकार द्वारा विशेषकर बिहार में प्रति व्यक्ति आय बढ़ाने हेतु उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), योजना मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा संस्कृति मंत्रालय राज्य मंत्री [राव इंद्रजीत सिंह]

(क) और (ख): दिनांक 30 मई, 2025 को जारी अनंतिम अनुमानों के अनुसार, वर्ष 2024-25 के लिए वर्तमान मूल्यों पर प्रति व्यक्ति निवल राष्ट्रीय आय (एनएनआई) 2,05,324 रुपये है। बिहार में वर्ष 2024-25 के लिए वर्तमान मूल्यों पर प्रति व्यक्ति आय 69,321 रुपये है।

(ग): सरकार ने समावेशी विकास और आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देकर प्रति व्यक्ति आय बढ़ाने के लिए कई उपाय किए हैं। कौशल विकास, रोज़गार सृजन, उद्यमिता और व्यापार करने की सुगमता में सुधार पर केंद्रित राष्ट्रव्यापी पहलों का उद्देश्य घरेलू आजीविका को सुदृढ़ करना और स्थायी आय के अवसर पैदा करना है। नवीनतम स्लैब और दरों के साथ संशोधित आयकर संरचना, जैसे प्रमुख सुधारों से प्रयोज्य आय में वृद्धि होने की आशा है, विशेषकर मध्यम वर्ग के लिए । इसके अतिरिक्त, सामाजिक सुरक्षा, गरीबी उन्मूलन और आजीविका सहायता के लिए लक्षित योजनाओं से देश भर में जीवन स्तर में सुधार होने की आशा है।

विशेष रूप से बिहार के लिए, केंद्र सरकार ने राजकोषीय हस्तांतरण, अवसंरचना संबंधी निवेश और क्षेत्रीय विकास कार्यक्रमों के माध्यम से सहायता प्रदान की है। केंद्रीय बजट 2025-26 में, बिहार में एक समर्पित मखाना बोर्ड की स्थापना का प्रस्ताव है जो मखाना के उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और विपणन को

बढ़ावा देने के उद्देश्य से रखा गया है। यह बोर्ड सहायता, प्रशिक्षण प्रदान करेगा तथा यह सुनिश्चित करेगा कि किसानों को प्रासंगिक सरकारी योजनाओं का लाभ मिले। पूर्वी भारत के लिए 'पूर्वोदय' दृष्टिकोण के अनुरूप, बजट में बिहार में राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी, उद्यमिता और प्रबंधन संस्थान की स्थापना का प्रस्ताव किया गया है। इस संस्थान का उद्देश्य खाद्य प्रसंस्करण कार्यकलापों को बढ़ावा देना, किसानों के लिए मूल्यवर्धित आय का सृजन करना और युवाओं के लिए कौशल एवं रोजगार के अवसर पैदा करना है। बजट में प्रस्तावित प्रमुख अवसंरचना परियोजनाओं, जिनमें मिथिलांचल में पश्चिमी कोसी नहर परियोजना के लिए वित्तीय सहायता के अतिरिक्त एक ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा भी शामिल है, से क्षेत्रीय संपर्क में उल्लेखनीय सुधार होने तथा आर्थिक कार्यकलाप को बढ़ावा मिलने की आशा है। कुल मिलाकर, ये पहल बिहार में प्रति व्यक्ति आय बढ़ाने और दीर्घकालिक विकास को बढ़ावा देने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण को दर्शाती हैं।

****